खुश हूँ देखकर प्रवृत्ति मार्ग वालों की अवस्था
प्रवृत्ति और निवृत्ति के मध्य सुंदर है व्यवस्था
बाप की याद की छत्रछाया के नीचे रहने वाले
माया के सर्व आकर्षणों से सदा सेफ रहने वाले
ऐसे न्यारे और निराले बच्चों के मैं गुण गाता हूँ
सच्चाई पर चलने वालों पर राजी मैं हो जाता हूँ
प्रवृत्ति का नियम है हर छोटी बात को समाना
किसी भी सूरत में कोई भी बात नहीं फैलाना
अगर कोई छोटी मोटी बात इधर उधर फैलाएंगे
तो विश्व कल्याण के कार्य से वंचित हो जाएंगे
हो जाओ राजी ज्ञान के हर राज को जानकार
खत्म करो सारी बातें तुम मेरा कहना मानकर
चाहते हो अगर मुझसे सच्चा मिलन मनाना
तो पहले खुद को साकारी से आकारी बनाना
आपके लिए बनता हूँ मैं निराकारी से आकारी
तुम भी बन जाओ मेरे लिए साकारी से आकारी
देहभान से न्यारे होकर अशरीरी बन जाओ
चमकीली ड्रेस पहनकर मुझसे मिलने आओ
मिलन का आनंद आएगा जब होंगे एक समान

मियां बीवी के मिलन में तीसरे का क्या काम

ॐ शांति